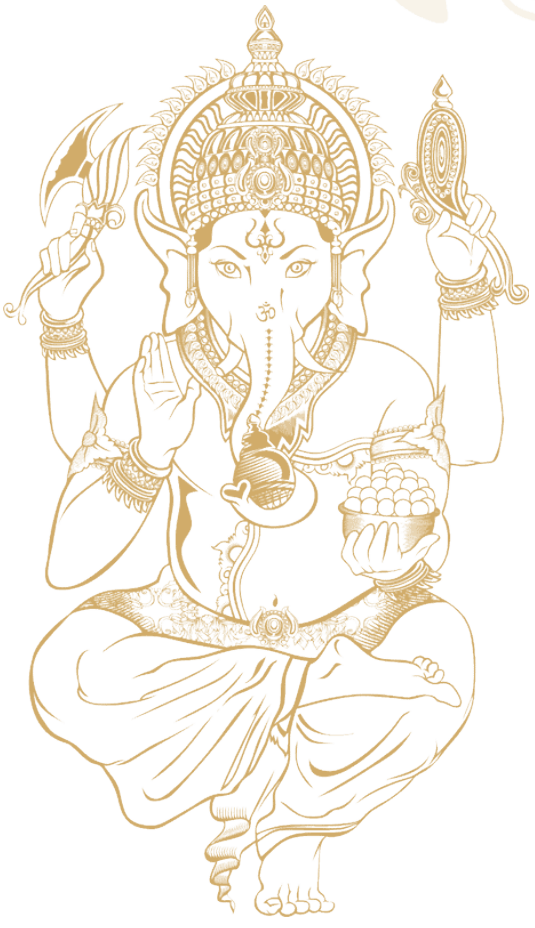

Jai Chand Jain

Ms.Diksha Jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120574304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/12/1993	जन्म तिथि	15/12/1993
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:45:00	जन्म समय	23:47:00 घंटे
घटी 59:35:22	जन्म समय(घटी)	42:04:05 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Bah
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:52:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:15:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:51	सूर्योदय	06:56:59
17:26:46	सूर्यास्त	17:24:31
23:46:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 11वर्ष 9मा 16दि	23:05:02	वृश्चि	लग्न	सिंह	24:51:12	सूर्य 4वर्ष 4मा 3दि	
केतु	26:14:57	वृश्चि	सूर्य	धनु	00:01:24	राहु	
28/09/2022	08:23:24	वृश्चि	चंद्र	मक	00:20:58	20/04/2015	
28/09/2029	00:14:47	धनु	मंगल	धनु	03:01:17	19/04/2033	
केतु	24/02/2023	13:47:57	वृश्चि	बुध	वृश्चि	19:29:00	राहु 31/12/2017
शुक्र	25/04/2024	12:35:13	तुला	गुरु	तुला	13:15:49	गुरु 26/05/2020
सूर्य	31/08/2024	17:36:52	वृश्चि	शुक्र	वृश्चि	22:16:57	शनि 02/04/2023
चन्द्र	01/04/2025	01:32:23	कुंभ	शनि	कुंभ	01:48:58	बुध 19/10/2025
मंगल	28/08/2025	09:16:00	वृश्चि	राहु व	वृश्चि	09:09:25	केतु 07/11/2026
राहु	16/09/2026	09:16:00	वृष	केतु व	वृष	09:09:25	शुक्र 06/11/2029
गुरु	23/08/2027	26:40:57	धनु	हर्ष	धनु	26:52:54	सूर्य 01/10/2030
शनि	30/09/2028	25:57:59	धनु	नेप	धनु	26:05:37	चन्द्र 01/04/2032
बुध	28/09/2029	02:36:15	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	02:44:29	मंगल 19/04/2033

लग्न-चलित

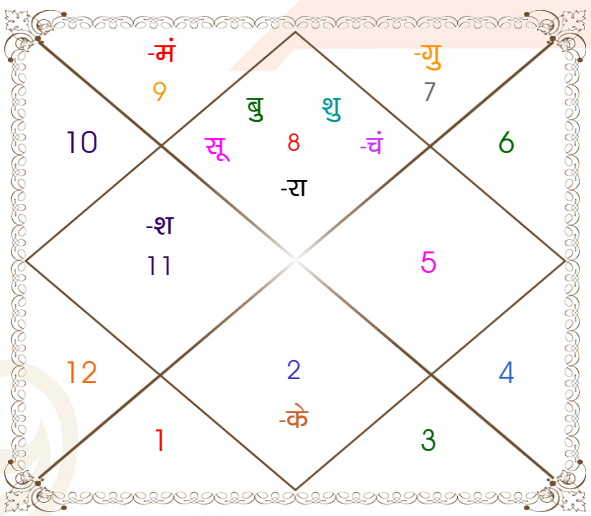

लग्न-चलित

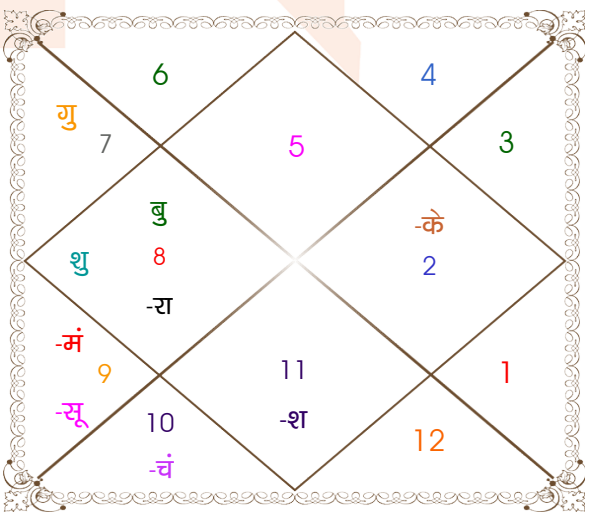

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

श्रंप बैंदक श्रंपद का वर्ग सर्प है तथा डेण्क्पों श्रंपद का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रंप बैंदक श्रंपद और डेण्क्पों श्रंपद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रंप बैंदक श्रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्क्पों श्रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

श्रंप बैंदक श्रंपद तथा डेण्क्पों श्रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।